



सचचा परमेश्वर

सच्चा परमेश्वर

जिंदगी का मतलब मेरे लिए बहुत मायने रखता था। जब तक डॉक्टर ने मुझे नहीं बताया कि मेरे पास मेरे श्वास नली में बढ़ने वाले ट्यूमर के कारण जीने का समय बहुत कम है, तब तक मेरी पत्नी, दो बच्चे, और मुझे लगा कि, हमारे पास बहुत समय है। मेरे जीवन को बढ़ाने के लिए एकमात्र संभव तरीका यह था कि मुझे कई सारे ऑपरेशनों से गुजरना था और ट्यूमर के साथ स्वरयंत्र को भी निकालना था। इस तरह के संकट ने मेरे जीवन को अचानक रोक दिया।

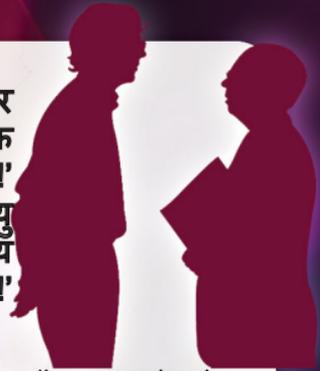


कई बायोप्सी के बाद, मैं पहले ऑपरेशन के लिए गया। इसमें केवल एक घंटे का समय लगना चाहिए था, लेकिन यह पूरे दिन चला। उस अनुभव की पीड़ा असहनीय थी। जागने पर, मुझे पता चला कि मेरा गला खुला हुआ था, और एक 'सांस लेनेकी नली' डाली गई थी। मैं केवल इस नली के बहार के भाग पर अंगूठा लगाकर बोल सकता था।



ऑपरेशन (जिसे सफल कहा गया) के दस दिन बाद , एक शाम अचानक मेरा मुंह खून से भरने लगा। मैंने जल्दी से नर्स को बुलाया। जल्द ही कई डॉक्टर

खून की इस उल्टी को रोकने के लिए लगातार कोशिश कर रहे थे जो तीन घंटे से अधिक समय तक जारी रहा। 'हमने सारी कोशिश की है!' निराश होकर एक डॉक्टर ने घोषणा की। मृत्यु की पराकाष्ठा को महसूस करते हुए, मैं असहाय होकर पुकारने लगा, 'प्रभु येशु, मेरी मदद करो!' तुरंत खून बहना बंद हो गया।



येशु के नाम में कुछ तो होना चाहिए था! क्यों? मुझे ये बताने दीजिए की पहले ऑपरेशन के पहले क्या हुआ था। इस ऑपरेशन का इंतजार करते हुए एक बड़े डर ने मुझ पर अचानक काबू पा लिया था और मैंने अपने चर्च में आश्वासन पाने का फैसला किया। मेरा पूरा जीवन इस धारणा में रहा कि ईश्वर

कहीं दूर था, और यीशु की माँ मरियम, ईश्वर और मनुष्य के बीच मध्यस्थ थीं। मेरा एक पसंदीदा 'संत' भी था, जिसको मैं कठिनाई के समय प्रार्थना करता था। इसलिए उस रविवार को मैंने अपनी सारी शक्ति के साथ प्रार्थना की, लेकिन मेरी निराशा के लिए, मैंने चर्च को उसी तरह छोड़ दिया, जिस तरह से मैंने इसमें प्रवेश किया था।

घर लौटते समय एक बड़ी निराशा से मेरा दिल भर गया; ऐसा लग रहा था कि इस डर से खुद को दूर करने का कोई रास्ता नहीं है। मेरा ध्यान अचानक एक इमारत की खिड़की से आने वाले कुछ गॉस्पेल संगीत की ओर आकर्षित हुआ और मैंने महसूस किया कि मुझे अन्दर जाना चाहिए। एक बार अंदर जाने पर, मुझे एक भजन गाते हुए लगभग छह लोगों की एक छोटी सी मंडली मिली। जब सभा

समाप्त हो गई, तो पादरी ने मेरा अभिवादन किया और पूछा, 'मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?' मैंने आगामी ऑपरेशन की गंभीरता के बारे में बताया और उनसे प्रार्थना करने के लिए कहा। उन्होंने प्रार्थना की, और फिर, मेरे आश्चर्य के लिए, वह सब डर तुरंत गायब हो गया! उन्होंने मुलाक़ात करने का वादा किया, और मुझे आश्वासन दिया कि येशु मदद करेगा।



निश्चित रूप से, इन लोगों की प्रार्थनाओं ने मुझे उस पहले ऑपरेशन के दौरान सम्भाल कर रखा। उन्होंने इस तनावपूर्ण समय के दौरान मुझसे मिलना जारी रखा और मुझे बाइबल से येशु के बारे में अधिक सिखाया। मेरी आँखें खुल गईं और पहली बार मुझे महसूस हुआ कि केवल प्रभु येशु मसीह ही ईश्वर और मनुष्य के बीच एकमात्र मध्यस्थ हैं। जिस पर मैंने प्रार्थना की और खुशी के साथ उनको अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और शांति और उनकी घनिष्ठ उपस्थिति का अनुभव किया।

उस पहले ऑपरेशन से उबरने के बाद, मुझे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और इस समझ के साथ घर भेजा गया कि मुझे सप्ताह में एक बार अस्पताल में आना होगा।

अंत में, दूसरी बार नक्की किए गए ऑपरेशन का समय आया, जिसमें वे मेरे जीवन के समय को बढ़ाने के लिए अंतिम उपाय के रूप में मेरे स्वरयंत्र को हटा देंगे। इस बीच, मेरे नए ईसाई मित्रों ने बाइबल से मेरे साथ कुछ बांटा था, और परमेश्वर का वचन सही मायने में नए जीवन की ओर ले गया। '...मैं तुम्हारा चंगा करने वाला यहोवा हूँ' (निर्गमन 15:26), और, 'हे प्रिय, मेरी यह प्रार्थना है; कि जैसे तू

आत्मिक उन्नति कर रहा है, वैसे ही तू सब बातों में उन्नति करे, और भला चंगा रहे' (3 युहन्ना 2) दो वादे थे जो यह आश्वासन देते थे कि येशु मुझे ठीक कर सकते हैं। येशु ने खुद कहा है, 'मैं मर गया था, और अब देख; मैं युगानुयुग जीवता हूँ; और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियां मेरे ही पास हैं: (प्रकाशित वाक्य 1:8) हालाँकि मैंने अपने डॉक्टर पर हमेशा भरोसा किया था, उनके हर शब्द पर भरोसा किया; अब मुझे येशु पर और उनके शब्दों में एक बड़ा भरोसा मिला।



दूसरे ऑपरेशन के लिए अस्पताल लौटने के एक रात बाद, पास में एक बिस्तर पर एक युवक पेट में दर्द होने की वजह से चीखने लगा। उसके लिए मेरा दिल एक गहरी करुणा से भर गया। मैं उसके बिस्तर के पास गया, अपना हाथ उठाया और कहा, 'प्रभु येशु, यह युवक पीड़ित है और बहुत दर्द में है। कृपया उसकी मदद करें और दर्द को दूर करें: तुरंत, वह पूरी तरह से ठीक हो गया! इस तरह के अनुभव के बाद, मैंने फैसला किया कि मेरा दूसरा ऑपरेशन नहीं करना है, निश्चित रूप से वही येशु जिसने इस जवान को चंगा किया था, वह मुझे भी ठीक कर सकता है। उसी हफ्ते मैंने अस्पताल छोड़ दिया और घर चला गया, डॉक्टर की सभी चेतावनियों की अवहेलना की।

इसके बाद के सप्ताहों में, मुझे तीन पत्र मिले, जिसमें मेरे अस्पताल न लौटने का कारण पूछा गया था। तीसरे पत्र ने मेरी बीमारी के सभी भयावह विवरणों को बताया और उनके विश्लेषण के अनुसार, मैं मर भी सकता था। इसके अलावा, अगर मौत होती है, तो उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा! इस आखिरी पत्र ने मुझे पूरे मामले के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए मजबूर किया, लेकिन जितना अधिक मैंने परमेश्वर के वचन को पढ़ा, उतना अधिक आंतरिक शांति और साहस



से मेरा हृदय भर गया।

कुछ समय बाद, मुझे अपने श्वास नली में ट्यूमर के लगातार बढ़ने के कारण सांस लेने में बड़ी मुश्किल होने लगी। सभी डॉक्टरों ने मुझे चेतावनी दी थी कि ऐसा होगा, और मुझे अब एहसास हुआ कि चंगा करने वाले के रूप में मसीह में मेरे विश्वास का परिक्षण

होगा।

एक दिन प्रार्थना करते समय, एक आवाज ने मेरा नाम पुकारा और कहा, अगर आपको एक पुराने घर में रहने जाना है, तो आप सबसे पहले क्या करेंगे?' यह महसूस करते हुए कि यह परमेश्वर था, मैंने उत्तर दिया, 'मुझे इसे साफ़ करना होगा: तब उन्होंने समझाया, 'मैं तुम्हें अपना मंदिर बनाना चाहता हूँ; लेकिन पहले, आपको पूरी तरह से साफ़ होना चाहिए: मुझे पता था कि येशु ने मुझे माफ़ कर दिया है और मुझे उनका बेटा बना दिया है, लेकिन मैंने वास्तव में अपने पापों का पूरी तरह से अंगिकार नहीं किया था। उन्हें प्रभु के सामने स्वीकार करने पर, मेरे अयोग्यता की एक बड़ी भावना मुझ पर घूम रही थी और मैं उनकी पवित्र उपस्थिति के सामने केवल रो पाया। क्रूस पर येशु मेरी जगह मर गया! येशु ने मेरे लिए जो कुछ भी किया उसके लिए मेरा हृदय बड़ी प्रशंशा से भर गया, उस प्रार्थना के समय के बाद खड़े होने पर, मैंने मुक्ति, राहत, और अपने सांस लेने की समस्या से पूरी तरह छूटकारा पाया।



एक सुबह, मुझे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी जैसे पहले कभी अनुभव नहीं किया था। प्रत्येक सांस जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष बन गई। किसी भी तरह मैं मेरे घुटनों पर आया, और मैं अपने दिल की गहराई से रोया, 'प्रभु येशु, अगर आप मुझे चंगा करेंगे, तो मैं आपके लिए कुछ करूंगा।' जाहिर है, वह केवल अपनी इच्छा के लिए मेरे संपूर्ण आत्मसमर्पण की प्रतीक्षा कर रहा था। अचानक मुझे

भारी खांसी हुई और मैंने मेरे मुँह में कुछ अजौब सा पाया। अपने हाथ में इसे थूकते हुए, मैंने देखा कि यह क्या था ... यह ट्यूमर था! मैं आखिरकार आजाद हुआ! यीशु ने मुझे ठीक वैसे ही चंगा किया जैसा उसके वचन ने वादा किया था। परमेश्वर की महिमा हो! लेकिन एक और चमत्कार है जो बताया जाना चाहिए।



एक बार फिर से साधारण तरीके से खाने और सांस लेने में क्या ही खुशी हो रही थी; लेकिन मेरे गले में अभी भी कुछ बचा हुआ था - 'सांस लेने की नली' का एक भाग: डॉक्टरों ने इसे हटाया नहीं था, यह सोचकर कि मैं दूसरे ऑपरेशन के लिए लौटूंगा। कई बार यह चीज़ काफी दर्दनाक और परेशान करनेवाली हो जाती है, इस लिए मैंने परमेश्वर को कहा कि वो इसे मेरे गले के बहार निकाल दे जैसे उन्होंने ट्यूमर को निकाला था। जितनी बार मैंने प्रार्थना की, यह वास्तव में मेरे गले में ऊपर की ओर आता था; लेकिन फिर मुझे इसकी वजह से बहुत दर्द होता और कई बार खून भी निकलता। मैंने अंत में इसके बारे में प्रार्थना करना पूरी तरह से बंद कर दिया और परमेश्वर के प्रेम के लिए उनकी प्रशंसा करने लगा।

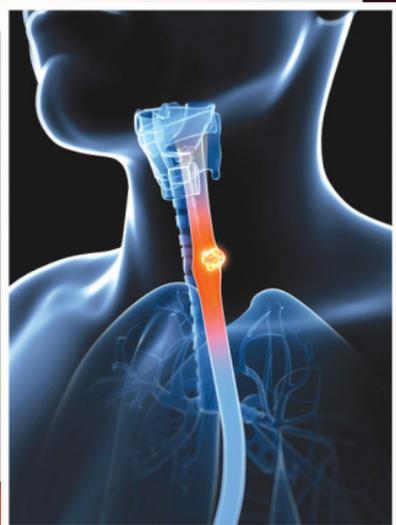


फिर एक दिन प्रार्थना करने का एक अलग तरीका मेरे दिमाग में आया। मैंने येशु से कहा की इस वास्तु को बहार निकाल ने के बजाएं मेरे गले में ही इसे खत्म कर दीजिए। पक्का यकीन है की, यह वैसा ही हे जैसा परमेश्वर करना चाहते थे...और उन्होंने किया! उन्होंने उसे पूरी तरह से खत्म कर दिया।

डॉक्टरों ने मुझे जीने के लिए केवल छह महीने दिए थे, लेकिन कई साल पहले ही बीत चुके हैं और मैं अभी भी जीवित हूं और उनकी महिमा का गुणगान करता हूं। किसी भी निशान का कोई स्पष्ट संकेत नहीं है, और शारीरिक जांच और एक्स-रे जो मैंने तब से किए हैं, केवल इस तथ्य को साबित करते हैं कि येशु ने मुझे पूरी तरह से ठीक किया।

उस समय से मैं परमेश्वर के वचन के मुताबिक पानी का बपतिस्मा लेने के द्वारा परमेश्वर का आज्ञाकारी रहा हूं, और प्रभु येशु ने मुझे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा भी दिया, ये परमेश्वर के सभी बच्चों के लिए आवश्यक अनुभव है (पढ़ें मत्ती 28:19, और प्रेरितों के काम 2:38)। जिस दिन परमेश्वर ने मुझे चंगा किया उस दिन मैंने उनसे वादा किया था उस वादे के प्रति निरंतर विश्वासयोग्य रहने के लिए मैं उनकी सेवा करता हूँ और सबको बताता हूँ की येशु ने क्या किया है और अभी भी कर सकता है। वही सच्चा परमेश्वर है।

क्यों ना आज ही अपना पूरा जीवन उन्हें समर्पित किया जाए? अगर आप बीमार है या किसी भी प्रकार की जरूरत है, तो येशु को पुकारे। क्योंकि उन्होंने वादा किया है, 'यदि तुम मुझ





से मेरे नाम से कुछ मांगोगे, तो मैं उसे करूंगा।

(युहन्ना 14:14)

यह कोई रहस्य नहीं है कि परमेश्वर क्या कर सकता है, उसने दूसरों के लिए जो किया है वही आपके लिए भी करेगा।

केलि एम्. बर्क